

भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
28.07.2021 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1552 का उत्तर

हरित रेलवे

1552. डॉ. सुकान्त मजूमदार:

श्री विनोद कुमार सोनकर:

श्री प्रतापराव जाधव:

श्री राजवीर सिंह (राजू भैय्या):

श्री भोला सिंह

श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:

श्री चंद्र शेखर साहू:

श्री सुधीर गुप्ता:

श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव:

श्री राजा अमरेश्वर नाईक:

डॉ. जयंत कुमार राय:

श्री बिद्युत बरन महतो:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या रेलवे ने खुद को "हरित रेलवे" में बदलने के लिए विभिन्न पहलें की हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या रेलवे की अपनी कर्षण विद्युत की आवश्यकता के लिए सौर संयंत्रों की स्थापना के लिए अप्रयुक्त खाली भूमि पार्सल का उपयोग करने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या रेलवे ने 2030 तक 'निवल शून्य कार्बन उत्सर्जन' बनने का लक्ष्य रखा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

- (घ) क्या रेलवे का प्रस्ताव प्रमुख रेलवे कार्यशालाओं और उत्पादन इकाइयों का 'हरित औद्योगिक इकाइयों' के रूप में मूल्यांकन और रेटिंग करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ङ) क्या रेलवे स्टेशनों को पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए प्रमाणित किया गया है और यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस अवधि में क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): जी हां। भारतीय रेल (आईआर) ने पारंपरिक स्रोतों के माध्यम से अपनी ऊर्जा खपत को कम करने की योजना के एक भाग के रूप में नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करने की योजना बनाई है। इसके एक भाग के रूप में, भारतीय रेल में (30.06.2021 तक) लगभग 123 मेगा वाट (एमडब्ल्यू) सौर संयंत्र (छतों और भूमि दोनों पर) और लगभग 103 मेगावाट पवन ऊर्जा संयंत्रों को पहले ही चालू कर दिया है। इसके अलावा, 53 यात्री कोचों में सोलर पैनल भी लगाए गए हैं।

उपरोक्त के अलावा, भारतीय रेल ने स्वयं को 'ग्रीन रेलवे' में बदलने के लिए निम्नानुसार कई पहलें भी की हैं,:

i) ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियों का उपयोग जैसे इंजनों के उत्पादन को पूरी तरह से पुनरुत्पादक विशेषताओं के साथ ऊर्जा कुशल तीन फेज वाले इलेक्ट्रिक इंजनों के लिए स्विच करना, हल्का भार ले जाने वाले ट्रेलिंग रेलइंजन को बंद करना, माइक्रोप्रोसेसर आधारित ऊर्जा मीटर के माध्यम से इंजनों की ऊर्जा खपत की निगरानी करना, प्रकाश और एयर कंडीशन लोड के लिए कोचों को ऊर्जा देने के लिए डीजल जनरेटरों के बजाय हेड ऑन जेनेरेशन (एचओजी) प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल।

ii) डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट्स (डेम्) की 25 डीजल पावर कारों का ड्यूल फ्यूल मोड में परिवर्तन, कंप्रेसड नेचुरल गैस (सीएनजी) से डीजल का प्रतिस्थापन करना।

iii) जल संरक्षण और प्रबंधन।

iv) वनरोपण।

v) सवारी डिब्बों में जैव शौचालयों का फिटमेंट।

vi) ग्रीन प्रमाणीकरण और अपशिष्ट प्रबंधन।

इसके अलावा, भारतीय रेल ने अपनी पावर आवश्यकता को पूरा करने और इस प्रकार परिवहन का एक हरित साधन बनने और 2030 तक 'शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन' के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए व्यवहार्यता के अनुसार चरणबद्ध तरीके से भूमि आधारित सौर संयंत्रों की स्थापना के लिए अपने अप्रयुक्त खाली भूमि पार्सल का उपयोग करने का निर्णय लिया है। अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित कार्रवाई की गई है:

i) दीवाना (हरियाणा) में 2 मेगावाट भूमि आधारित सौर संयंत्र की पायलट परियोजना शुरू हो गई है।

ii) बीना (मध्य प्रदेश) में 1.7 मेगावाट भूमि आधारित सौर संयंत्र की पायलट परियोजना शुरू हो गई है।

iii) रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड (आरयूएमएसएल) के साथ 400 मेगावाट सौर ऊर्जा का करार किया गया है।

iv) खाली अप्रयुक्त रेलवे भूमि पर सौर संयंत्रों का और अधिक प्रसार करने के लिए, शुरू में लगभग 1.4 गीगा वाट (जीडब्ल्यू) क्षमता के लिए निविदाएं पहले ही आमंत्रित की जा चुकी हैं।

(घ) 2016-17 में दो कारखानों और एक उत्पादन इकाई के 'ग्रीनको' प्रमाणन के साथ भारतीय रेल के प्रमुख कारखानों और उत्पादन इकाइयों का आकलन और रेटिंग शुरू कर दी गई है। वर्तमान में, 39 कारखाने, 7 उत्पादन इकाइयां, 8 लोको शेड और एक स्टोर डिपो को 'ग्रीनको' के रूप में प्रमाणित किया गया है।

(ङ) वर्तमान में, लगभग 630 रेलवे स्टेशनों को पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) के कार्यान्वयन के लिए आईएसओ:14001 प्रमाणन द्वारा प्रमाणित किया गया है। इसके अलावा, भारतीय रेल के 19 और रेलवे स्टेशनों को भी हरित रेलवे स्टेशनों के रूप में प्रमाणित किया गया है।
